

टनकपुर में उलटफेर की राजनीति

मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में कौन अपना कौन पराया

भीतरघात के अलावा खुले में मोर्चा संभाल चुके नेता

युवाओं के नाम पर अपने धन्धे चौखे करने का काम

आम जनता समझने लगी है सारी कारगुजारियां

पि.हि. प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां सर्वाधिक हो रही हैं। शासन, प्रशासन, पार्टियां, आम जनता कितना क्या कर रही है- सब बातों की चर्चा और खुरसर-फुसर पूरी हो रही है। इस विधानसभा में सीएम के कारण विकास कार्यों की बहार तो हैं लेकिन यह जानने वाली बात भी कम रोचक नहीं है कि कौन उनका अपना और कौन पराया है। चूँकि मुखिया के समाने जी-हज़ूर कहने वाले हो ही जाते हैं परन्तु राजनीति का पहाड़ हमेशा घुमावदार होता है। और यही सब दिखने लगा है। टनकपुर क्षेत्र का उदाहरण बता रहा है कि राजनीति उलटफेर के लिये बलशाली लोग तैयार बैठे हैं। ऐसे में भीतरघात के अलावा खुले में मोर्चा संभाल चुके नेताओं के बयानों से अनुमान लगाया जा सकता है। दूसरी ओर युवाओं के नाम पर अपने धन्धे चौखे करने का काम करने वाले इतने सक्रिय हैं कि वह सच बातों को सीएम तक शायद पहुँचने नहीं दे रहे हैं ताकि समय रहते स्थितियां सुधरें। आम जनता की सारी कारगुजारियां समझने लगी है।

टनकपुर डिग्री कालेज में हुए छात्र संघ चुनाव की आड़ में लगातार हो रहे उत्पात पूरे प्रदेश में चर्चा में हैं। आखिर ऐसा क्या है कि छात्र संघ चुनाव के लिये बाहरी तत्व इसमें उत्साह दिखाते हुए बवाल मचाने लगे हैं। हालातों के बीच एनएसयूआई का पूरा पैनाल यहाँ लगातार जीतता रहा है। इस बार का छात्र संघ चुनाव सीएम विधानसभा के लिये बड़ा संकेत है कि अपना और पराया की पहचान होनी चाहिये। अन्यथा घपला करने वाले, मनमानी करने वाले किनारे से बच निकलेंगे और बात-बात पर सत्ता को कोसा जाएगा। एकदम मुस्तैद प्रशासन व सीएम कार्यालय की प्रशंसा की जानी चाहिये कि वह आई आफतों का निपटारा करने में दिन-रात एक कर रहे हैं।

हल्द्वानी की राजनीति में अब नये चेहरे रस घोलेंगे

उत्तराखण्ड के बड़ी छात्र संख्या वाले हल्द्वानी के मोतीरोम बाबुराम राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इस बार हुए छात्र संघ चुनाव में जिस प्रकार का हंगामा और तमाशा हुआ है, उससे साफ दिख रहा है कि हल्द्वानी की राजनीति में अब नये चेहरे रस घोलेंगे। इसका असर हल्द्वानी विधानसभा की आसपास की सीटों पर भी होगा।

छात्र संघ चुनाव में एबीपीवी के बागी अर्यन बेलवाल अध्यक्ष बने जबकि एनएसयूआई के मेहुल साह दूसरे व

➤ आसपास की सीटों पर होगा भारी असर

एबीपीवी के धीरज बिष्ट तीसरे स्थान पर रहे। पूरे चुनाव में प्रत्याशियों ने अपने घर से और इनके साथियों ने खूब जेब ढीली की। मौज-मस्ती के लिये नाच-गाने खाने पीने की इंतजाम से लेकर लड़ने-भिड़ने में कमी नहीं दिखाई। साथ ही इनके अभिभावक भी खुलकर दिखाई दिये और इतने मजबूर भी थे कि बच्चे कहीं आपस में न भिड़ें। छात्रों के चुनाव को तमाशा

➤ भीमताल विस सीट में हरीश पनेरू धुआधार

बनाने के लिये राजनीतिक पार्टियों के बड़े नेताओं की भागीदारी जिम्मेदारी है। फिलहाल जिस तरह के परिणाम छात्र संघ चुनाव में आए हैं उससे भाजपा कांग्रेस सोचने पर मजबूर हैं कि आम चुनाव की हवा किस प्रकार अपने पक्ष में की जाए। जेन-जी का खौफ हर किसी को है कि वह किस करवट बैठेंगे। चुनाव धार में अपने लिये पार्टी टिकट मांग रहे

➤ तालमेल के लिये घूमने लगे हैं नेतागण

नेताओं की परख युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता से आँकी जा रही है। टिकट किसको मिलेगा, इसे लेकर फिर से बात छिड़ पड़ी है। ऐसे में हल्द्वानी सहित इसके आसपास की विधानसभा सीटों पर तालमेल के लिये नेतागण घूमने लगे हैं क्योंकि एक सीट का असर दूसरी सीट पर होना तय है। हल्द्वानी से लगी कालाढूँगी, लालकुआ,

उससे आगे रामनगर, नैनीताल, भीमताल की सीटों तक टिकट को लेकर उथल पुथल मची है।

सम्बेदनशील व्यूथों की संख्या भी बढ़ सकती है। इसमें भीमताल नम्बर एक पर मानी जा रही है। भाजपा की ओर से मंत्री रामसिंह कैंडा का जोर बना हुआ है। कांग्रेस से हरीश पनेरू, लाखन सिंह सहित अन्य नेता दांव चल रहे हैं लेकिन कांग्रेस के लिये हरीश पनेरू का रुख महत्वपूर्ण है क्योंकि वह धुआधार, अभियान में लम्बे समय से जुटे हैं।

RNI Regn.No.- 54447/78

स्थापित: 1978

Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 19 हल्द्वानी सम्बत् 2083 सोमवार 12 अक्टूबर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती

स्व.दुर्गा सिंह मर्तोल्या,

Website-

संरक्षक : फली सिंह दत्ताल

स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

www.pighaltahimalay.com

मंगल सिंह मर्तोल्या

विधानसभा चुनाव को लेकर चस्का गुराने के सिवा बचा क्या है



- छात्र संघ चुनाव की रार अभी जारी है
- कौन था बागी और दागी, टटोल रहे हैं
- झगड़ों के रिकॉर्ड आम चुनाव हेतु
- अपने पक्ष में करने की कसरत जारी
- युवा मतदाता बहुत सावधान हो चुका

कार्यालय प्रतिनिधि

विधानसभा चुनाव का चस्का सर चढ़कर बोलने लगा है। उत्तराखण्ड के हर छोटे-बड़े नेता जिस तरह से अपने मुनाफे के रास्ते बनाने में लगे हैं वह सब आम जनता के लिये पीड़ादायक दिख रहे हैं। प्रदेश में हुए छात्र संघ चुनाव के घाव जिस प्रकार से घायल करने वाले थे वह नये तौर-तरीकों को जन्म दे चुके हैं। कालेज गेट के भीतर होने वाली राजनीति में घर-परिवार से लेकर नेता-अभिनेता सबकुछ लगाने के अलावा जितनी गुण्डागर्दी इस बार हुई है, उसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। देहरादून, हल्द्वानी के बड़ी संख्या वाले कालेजों से लेकर विश्वविद्यालय के परिसरों व तमाम महाविद्यालयों में अपनी पसन्द के रंग के झण्डे के साथ जलसे-जुलूस में लगे युवाओं को बरगलाने वाले पूरी तरह सतक थे जिसका परिणाम मारपीट व गाली-गलौच के रूप में देखा गया। छात्र संघ चुनाव की रार अभी जारी है। चुनाव के दौरान हुए घपलेबाजी

ने जितनी आग उगली है वह आपस में बर कराने वाली है। साथ में पढ़ने वाले, साथ घूमने वाले, एक-दूसरे को जानने वाले छात्र-छात्राई कालेज चुनाव में जिस तरह से झगड़े हैं वह बता रहा है कि आने वाली राजनीति कितनी घातक और घायल करने वाली है।

छात्रों के चुनाव के बाद राजनीतिक पार्टियों के रणनीतिकार टटोल रहे हैं कि कौन दागी और कौन बागी थे। अपना पक्ष मजबूत करने के लिये प्रलोभन देने का काम भी शुरू हो चुका है। प्रदेश में अधिकांश निर्दलीय जीत हुई है, ऐसे में पार्टियां चाहती हैं कि उनके झण्डे को उठाने के लिये इन्हें मना लिया जाए। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बड़े नेता छात्रों को अपने पक्ष में करने की पूरी कसरत कर रहे हैं। वह यह भी जान रहे हैं कि युवा मतदाता बहुत सावधान हो चुका है इसलिये बहुत ही सम्भाल कर चाल

चली जा रही है।

छात्र संघ चुनाव के दौरान किस प्रकार के घपले और बदमाशी हुई, उस समय की रिकॉर्डिंग व रिकॉर्ड नेतागण व पार्टियां अपने पास सुरक्षित कर रहे हैं ताकि आम चुनाव के लिये उनका इस्तेमाल किया जा सके और आम जनता को गुण्डई करने वालों के चेहरे दिखाए जा सकें। जगह-जगह हुए झगड़ों व बहसबाजी के वीडियो सोशल मीडिया पर जारी करते हुए पार्टियां अपने पक्ष को मजबूत बनाने का दावा करने लगी हैं। होने वाली पत्रकार वार्ताओं, सभाओं, गोष्ठियों में एक ओर अपने संगठन की प्रशंसा नेताओं द्वारा की जा रही है, वहीं उठ रहे सवाल पर गुराने के सिवा बचा ही क्या है? बौखलाहट से भरे नेताओं को जनता के सामने उजागर करने के लिये आम मतदाता भी जाग उठा है। आगामी विधानसभा चुनाव में निश्चित रूप से छात्र संघ चुनाव के दबे-ढके मसले जरूर उठेंगे और तीखी बातों से उलझन होगी ही।

पिघलता हिमालय

गुण्डागर्दी और भ्रष्टाचार

उत्तराखण्ड में छात्र संघ चुनाव में इस बार सारे पुराने रिकार्ड तोड़ते हुए गुण्डागर्दी का अध्याय जुड़ चुका है। ऐसे में उच्चशिक्षा से जुड़े विद्वतजनों ने एकजुटता दिखाते हुए ऐलान किया कि किसी भी तरह की गुण्डाई के खिलाफ चुप नहीं रहेंगे। लेकिन क्या ऐसा हो सकता है? आखिर छात्रों की इतनी हिम्मत कैसे हो गई कि वह अपने गुरुजनों के खिलाफ उग्र हैं। गलती क्या छात्रों की है या गुरुजनों की?

उच्चशिक्षा की जड़ में जाएं तो पता चलता है कि गलती दोनों ओर से होती रही है। इतना जरूर है कि पहले गुरु का मान रखते हुए छात्र शान्त हो जाते थे और गुरु जी भी सुलझी बात करते थे परन्तु समय के साथ अशान्ति बढ़ती जा रही है। शिक्षा के नाम पर कितनी पढ़ाई हो रही है, मोटी पगार लेने वाले अपने कार्य के प्रति कितना ईमानदार हैं, विभिन्न मंदों में आई राशि का किस प्रकार से व्यय होता है, ऐसी सारी बातों को लेकर आजकल बच्चे चौकने हैं। यही कारण है कि वह मौका देखते ही भ्रष्टाचार की पूंछ पकड़ना चाहते हैं। कहीं पर कुछ गड़बड़ मिली तो आन्दोलन होना ही है। इस प्रकार के कई किस्से हो चुके हैं जब भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए, छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए, परीक्षा में नम्बरों के लिये धमकाने की शिकायतें छात्र छात्राओं ने की हैं। इसी प्रकार कालेज प्रशासन का भी सिरदर्द होता है जब खेल के लिये खिलाड़ियों का चयन और उन्हें खेल सामग्री, जूते, कपड़े इत्यादि के नाम पर दबांग नेता दबाव बनाते हैं। किसी आयोजन या दूर के नाम पर मनमानी करते हैं। व्यवस्था सुधार के लिये टोकने पर हंगामा करते हैं। यानी की गुण्डागर्दी और भ्रष्टाचार की जुगलबन्दी रही है।

देखने की बात यह है कि कौन सा पक्ष कितना सही है और कौन अनावश्यक दबाव बनाता है। दरअसल होना तो यह चाहिये कि शिक्षक के साथ-साथ कुशल प्रशासक के गुण वाला ही प्राचार्य होना चाहिये। वर्तमान में जिस प्रकार की चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं, उन हालातों में तो बहुत ही संयमित, धैर्यवान, अनुशासित, ईमानदार, कर्मठ और निर्णय क्षमता वाले व्यक्ति को ही कमान सँपी जानी चाहिये। देखने में आता है कि चली आ रही परम्परा में निश्चित समय पर किसी को प्राचार्य का पदभार मिल जाता है और वह पदनाम का रौब वा लेते हैं पर व्यवस्था संभालने में लड़खड़ाते हैं। ऐसे में उन्हें संभालने की जरूरत होती है। हमें अपने भीतर भी झाँकना चाहिये कि हम कितने ईमानदार हैं। यदि न्याय करने की क्षमता और निर्णय लेने की ताकत नहीं है तो ऐसे पदभार से बचना चाहिये। अपनी कमजोरी के साथ सामाजिक व्यवस्था में न्याय कैसे होगा?

उच्च शिक्षा में व्यवस्था सुधार को निपुण व्यक्ति ही चाहिये जो राजा-प्रजा को राह दिखा सके। गुरु का स्थान भगवान से बड़ा कहा गया है लड़खड़ाने से अच्छा है हालातों को प्रणाम कर किनारे हो लें।



दाज्यू, बालकों का चुनाव तो निपट गया लेकिन हकाहाक डड़ाडाड़ खूब हो रही है बल। पटरी पार वाले कालेज में घमाघम। हुई तो मास्साब ने नाराज होना ही था। बब्बू और जोतू हन्तर लेकर झूम रहे थे तभी मोनू मास्साब मेज के नीचे दुबक गये। दाज्यू, क्या करते? 'हमेशा चिकिया कलैया बे' गते रहते हैं, जब होश घामड़ करने वाले आ जाते हैं तो बिल तलाशना ही ठेरा। बजरी चोर बदरू भी चुनाव में खूब नाचा इस बार। कह रहा है- 'अब विधानसभा में लाइन मिला देगा।' दाज्यू, हमें चिन्ता हो रही है कि बलात्कारी लड़इन का क्या होगा जो टाई-टोप पहन कर शेयर मार्केट का खेल खेलता रहता है। मोनू मास्साब ने कैप्सूल के साथ बादाम का जूस पी लिया है बल। इससे पहले खून को पंचिस हो रही थी। डर के मारे रिगाडीस्तान में डेरा डाल लिया था। दाज्यू, घोर कलजुग चल रहा है। निगराण्ड पूरे महीने नाड़ा ढीला कर सरकारी वेतन टापते रहते हैं। न घास काटना, न पानी भरना, न पूजा न पाठ, न दानपुण्य.....कुछ नहीं। बस, अवकाश गिगते हैं और पैसों की तह लगाकर हवा में फायर। ऐसे में कैसे होने वाला ठेरा 'मेरा देश महान'। लौंडे-मौंडों को गाली देना आसान होता है, उनकी दुर्गति करने

फसक दाज्यू, हकाहाक-डड़ाडाड़ खूब हो रही ठेरी पलीता लगाने के लिये रील और रौब का सहारा होता है बल

के लिये भी तो कलजुग के महिसासुर तैनात हैं। वैसे भी पलीता लगाने के लिये रील और रौब का सहारा होता है बल। दाज्यू, सोनू को भी पेट में गैस की बीमारी हो चुकी है। कह रहा था- 'सरकार मटर पनीर के साथ बासमती चावल का इन्तमाज कर दे तो बांकी का जीवन भी कट जाएगा। यूपी से भागकर उत्तराखण्ड में फसल बोई थी अब काटने का समय आ चुका है।' दाज्यू, सुरताल सिंह को ग्राम प्रधान महलसिंह घसीटते हुए नौले तक ले गया बल। बता रहा था- 'सुरताल पहाड़ को गाली गलौच कर रहता था।' भवाली में अंग्रेजी शराब की दुकान पर ओवरस्टॉक और रेट लिस्ट न होने की शिकायत पर छापेमारी हुई।

हमारी समझ में नहीं आ रहा है कि शराब चढ़कर बोल रही है या जमाना चढ़कर बोलने लगा है। देहरादून में शराब व्यापारी ने दिनेश मल्होत्रा ने पहले जोई तोई बक दिया था बाद में कहा- सीएम धामी अच्छा कार्य कर रहे हैं। और उन्हें उम्मीद है कि वे शराब व्यापारियों के हित में कार्य करेंगे। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि कुछ लोग आवकारी की आड़ में गलत कार्य कर रहे हैं। और यह बात सीएम को पता नहीं है। पिथौरागढ़ टनकपुर हाईवे पर घाट चौकी के पास चैकिंग

अभियान में पुलिस ने स्मैक के साथ सैनिक की पत्नी और युवक को गिरफ्तार किया। ये दोनों इनकट से स्मैक खरीद कर पहाड़ सेवा का विचार कर रहे थे बल।

दाज्यू, छात्र महासंघ चुनाव में निर्दलीय जीते बालक के गले में संगठन का पटका डालने को लेकर हंगामा भी गजब ही हुआ कहा। जो जीता वही सिकन्दर। परिवार के साथ हल्द्वानी बाजार में घूम रहे व्लांगर सौरभ जोशी के साथ गाली गलौच करने वाला कार चालक पीछा करने पर कार छोड़कर भाग गया। फिर बांकी काम पुलिस ने करना ही ठेरा। दाज्यू, रुद्रपुर में पीजी कालेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट की हत्या के 12 साल पुराने मामले में 6 आरोपियों को वरी कर दिया गया है। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष हत्या और अपराधिक साजिश के आरोपों को युक्तियुक्त सन्देह से परे साबित नहीं कर सका।

दाज्यू, बनबसा में कैबिनेट बैठक के अलावा जगह-जगह सेवा संकल्प का आयोजन.....रम बहुत खुशी हो रही है। अब रामलीला की व्यस्तता है, धनुष यज्ञ देखने जरूर आना।

-तुम्हारा भुली झकरवा

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

टाटा समूह में निवेशकों के रुपये डूबे

नई दिल्ली। देश के सबसे विश्वासी कारोबारी घराने टाटा के भीतर मची कलह अब बाजार और निवेशकों के लिये चिन्ता की बात है। इस कार्पोरेट में मात्र 14 दिनों के भीतर निवेशकों के 1.53 लाख करोड़ रुपये डूबने से उथल-पुथल मची हुई है।

चीनी भण्डारण सीमा घटी

नई दिल्ली। त्रौहार के सीजन में चीनी की कीमतों पर सन्तुलन और पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिये सरकार ने डीलरों के लिये स्टॉक रखने की सीमा 2000 क्विंटल से घटाकर 1000 क्विंटल कर दी है। यह सीमा 30 नवम्बर 2026 तक रहेगी।

एलपीयू हिंसा में दर्जनभर गिरफ्तार

जालंधर। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में हुई हिंसा, तोड़फोड़ और लूटपाट के मामले में पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के तीन छात्रों समेत 40 लोगों की पहचान की है। इसमें एक छात्रा आन्ध्र प्रदेश की है। जम्मू कश्मीर के एक युवक समेत दर्जनभर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुतिन ने नाटो देशों को दी धमकी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नाटो देशों को चेतावनी दी है कि यदि रूस के इलाके कलिननिग्राद पर हमला हुआ तो रूस अपने सभी हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। पुतिन ने मॉस्को में वल्दाई फोरम के दौरान कहा कि रूस यूरोप के किसी देश पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है लेकिन अपनी निजामी की रक्षा के लिये हर जरूरी कदम उठाएगा। कलिननिग्राद रूस का एक अलग इलाका है। यह रूस के मुख्य हिस्से से जुड़ा नहीं है।

रामपुर तिराहा काण्ड बरसी पर जताया रोष

रामनगर। मुजफ्फरनगर के तिराहा काण्ड की बरसी पर लखनपुर शहीद पार्क में राज्य आन्दोलनकारियों एवं सिविल सोसाइटी से जुड़े लोगों ने एक श्रद्धांजलि सभा में खटीमा, मसूरी और मुजफ्फरनगर काण्ड के दोषियों को सजा न मिलने, शहीदों के सपनों के साकार न होने तथा राज्य की मूल अवधारणा से जुड़े सवाल का समाधान न होने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। राज्य निमाण आन्दोलनकारी मंच के संयोजक चन्द्रशेखर जोशी की अध्यक्षता एवं परिवर्तन पार्टी के अध्यक्ष प्रभात प्यानी के संचालन में आयोजित सभा में वक्ताओं ने रोष जताते हुए कहा कि राज्य गठन के 26 वर्ष बाद भी दोषियों को सजा नहीं मिल पायी है। राज्य गठन के बाद सत्ता में आई सरकारों ने राज्य की अवधारणा के अनुरूप विकास कार्य नहीं किए, जिसके चलते राज्य गठन का मूल उद्देश्य भटक गया है। यह प्रदेश दुनिया का शायद ऐसा पहला राज्य है जिसकी न तो अपनी कोई स्थायी राजधानी है और न ही कुमाऊँ गढ़वाण मण्डलों को सीधे जोड़ने वाला कोई सुगम मार्ग

चम्पावत को केन्द्र में रखकर आयोजन

बनबसा में कैबिनेट बैठक, लोक संस्कृति की थीम पर सजाया गया

चम्पावत को केन्द्र में रखकर बड़े आयोजनों का स्वरूप जनता ने देखा। जिले में पहली बार राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक के लिये लोक संस्कृति की थीम पर एनएचपीसी परिसर भवन बनबसा एवं अन्य स्थलों को सजाया गया था। भवन की दीवारों और प्रांगण में उकेरी गई ऐंगण कला राज्य की सांस्कृतिक धरोहर की जीवंत झलक देखने को मिली।

दशहरा महोत्सव में प्रतिभाग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने दौरे में टनकपुर क्षेत्र का भ्रमण करते हुए गांधी मैदान में आयोजित दशहरा महोत्सव में प्रतिभाग किया और लोगों के भेंट की। इस दौरे में वह अपने निजी आवास नगला तराई, खटीमा में रहे और जगह जगह लोगों से मुलाकात की।

सेवा संकल्प अभियान शासन द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और जन समस्याओं को त्वरित समाधान हेतु बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन भी किया गया। जनपद में डीएम मनीष कुमार बहुत ही त्वरित गति से जुटे हैं। सतपाल महाराज निरीक्षण कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज द्वारा टनकपुर क्षेत्र स्थित नायकखोड़ा पारिस्थितिक गलियारा परियोजना एवं अन्तर्गत निर्माणाधीन बाढ़ सुरक्षा के आपदा प्रबन्धन कार्यों का तथा किरोड़ा नाला का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यह क्षेत्र अत्यधिक बाढ़ सम्बेदनशील रहा है, जिसमें जोखिम कर्म करने के लिये 85 करोड़ लागत की योजना है।

लापरवाही**केदारनाथ धाम में 5 माह में 50.30 टन कूड़ा**

हरीश चन्द्र अन्डोला

करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का केन्द्र केदारनाथ में रिकॉर्ड तोड़ यात्री दर्शनों को पहुँच रहे हैं। पिछले वर्षों की तुलना इस वर्ष जिस तरह इस बार यात्रा की रफ्तार बढ़ रही, उससे यही लगता है कि यह केदारनाथ यात्रा नया इतिहास लिखेगी। केदारनाथ धाम में इस साल रिकॉर्ड श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए। मगर, चिन्ता की बात यह है कि श्रद्धालुओं और वहाँ मौजूद लोगों ने गन्दगी करने में बिल्कुल कोताही नहीं बरती। हर महीने इतना कचरा छोड़ा, जो पिछले साल की तुलना में करीब ढाई गुना अधिक है। इससे पता चलता है कि आज हम कितने लापरवाह हो गए हैं। हम अपने भगवान की जगह को साफ नहीं रख पा रहे तो और क्या ही उम्मीद कर सकते। उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में वर्ष 2026 के अप्रैल से अगस्त के बीच महज पाँच महीनों में 50.30 मीट्रिक टन कचरा पैदा हुआ, जो पिछले साल पूरे यात्रा सत्र के दौरान एकत्र हुए कचरे के मुकाबले ढाई गुना से अधिक है। केदारनाथ नगर पंचायत द्वारा सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत दिए गए जवाब से सामने आए इन आंकड़ों के अनुसार इस साल के शुरुआती पाँच महीनों में ही पिछले तीन वर्षों में किसी भी पूरे वर्ष के दौरान पैदा हुए कचरे की तुलना में कहीं अधिक कचरा उत्पन्न हुआ। नगर पंचायत ने उत्तर प्रदेश के नोएडा निवासी आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में यह जानकारी दी है।

नगर पंचायत के अनुसार, केदारनाथ में 2023 में 32.58 मीट्रिक टन, 2024 में 26.10 मीट्रिक टन और 2025 में 21.40 मीट्रिक टन कचरा पैदा हुआ था। इसके मुकाबले 2026 में अप्रैल से अगस्त के दौरान ही 50.30 मीट्रिक टन कचरा पैदा हो चुका है। इस तरह 2026 के केवल पाँच महीनों में पैदा हुआ कचरा पूरे 2023 की तुलना में करीब 54 प्रतिशत, 2024 की तुलना में करीब 93 प्रतिशत



और 2025 की तुलना में करीब 135 प्रतिशत अधिक है। यानी अप्रैल में 1.7 मीट्रिक टन कचरा पैदा हुआ, जो मई में बढ़कर 16.3 मीट्रिक टन हो गया। जून में 11.5 मीट्रिक टन, जुलाई में 10.5 मीट्रिक टन और अगस्त में 10.3 मीट्रिक टन कचरा पैदा हुआ। जवाब में नगर पंचायत ने प्लास्टिक कचरे का आंकड़ा भी उपलब्ध कराया है। इसके अनुसार, 2026 में अब तक करीब 20 मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ, जिसमें से 18.5 मीट्रिक टन यानी 92.5 प्रतिशत का प्रसंस्करण किया जा चुका है, जबकि करीब 1.5 मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा अभी शेष है। नगर पंचायत ने केदारनाथ में लैंडफिल की क्षमता 30,000 वर्ग फुट बताई है। उसके अनुसार, लैंडफिल में अभी 28,000 वर्ग फुट क्षमता शेष है।

नगर पंचायत ने यह भी बताया कि पिछले पाँच वर्षों के दौरान केदारनाथ में चार लैंडफिल बनाए गए हैं। बढ़ते कचरे के बीच लैंडफिल पर निर्भरता हिमालयी पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण सवाल खड़े करती है, खासकर तब जब केदारनाथ जैसे अत्यन्त सम्वेदनशील क्षेत्र में हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुँचते हैं। इस साल अब तक करीब 15 लाख श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि आरटीआई से सामने आए ये आंकड़े केदारनाथ में कचरा प्रबन्धन पर बढ़ते दबाव की तस्वीर पेश करते हैं।

केदारनाथ में केवल पाँच महीनों में

पिछले वर्षों के पूरे यात्रा सत्र की तुलना में कई गुना अधिक कचरा पैदा होना हमारे पर्यावरण के लिए बहुत खतरनाक है। केदारनाथ जैसी पवित्र और पर्यावरण की दृष्टि से सम्वेदनशील जगह को कचरा घर बनाने के लिए सबसे बड़े जिम्मेदार हम लोग खुद हैं। केदारनाथ धाम जैसी विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले क्षेत्र में अधिक तीर्थ यात्रियों को पहुँचने के बाद भी प्रशासन की ओर से बेहतर सुविधाएँ देने का प्रयास किया जा रहा है। इस बार यात्रियों को सबसे अधिक मदद आस्था पथ से मिल रही है, जबकि पैदल मार्ग और धाम में जगह-जगह बनाये गये रैन शेल्टर भी यात्रियों के लिये मददगार साबित हो रहे हैं। यात्रियों को पैदल मार्ग और धाम में एलईडी टीवी के जरिये मौसम, स्वास्थ्य सहित अन्य लाभकारी जानकारीयाँ लगातार दी जा रही हैं। सीसीटीवी कैमरों के जरिये पूरी यात्रा पर नजर रखी जा रही है। पैदल मार्ग पर इस बार साफ-सफाई की भी अच्छी व्यवस्था की गई है। घोड़े-खच्चरों की लोद का निस्कारण सुलभ शौचालय के फाई कर्मचारियों द्वारा त्वरित गति से किया जा रहा है। केदारनाथ में केवल पाँच महीनों में पिछले वर्षों के पूरे यात्रा सत्र की तुलना में कई गुना अधिक कचरा पैदा होना हमारे पर्यावरण के लिए बहुत खतरनाक है। केदारनाथ जैसी पवित्र और पर्यावरण की दृष्टि से सम्वेदनशील जगह को कचरा घरबाने के लिए सबसे बड़े जिम्मेदार हम लोग खुद हैं।

दय्या जैसे मुख्य स्टेशन में एकमात्र शौचालय भी ठप्प

गणेश रावत

दय्या/अल्मोड़ा। पर्वतीय क्षेत्र का प्रमुख

स्टेशन दय्या की स्थिति दयनीय होती जा रही है। सैकड़ों वाहन इस स्टेशन से



होकर गुजरते हैं और यात्रियों का ठहरना होता है किन्तु बाजार क्षेत्र में एकमात्र शौचालय भी ठप्प है। कुछ समय पहले तक कुमार्क मण्डल विकास निगम का मार्गीय ठहराव स्टेशन बहुत दुरुस्त हुआ करता था लेकिन उसके हालात खराब होने के बाद इस स्थान पर और भी गन्दगी हो चुकी है। यहाँ पर गैस आफिस है जिसमें समस्त क्षेत्रवासी गैस कनेक्शन इत्यादि कार्य हेतु आते हैं और शौचालय सुविधा न होने पर सड़क किनारे ही मल मूत्र विसर्जित करना मजबूरी है। महिलाओं के लिये बहुत ही दिक्कत की बात है। स्टेशन पर आने वाले यात्रियों व व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार का स्वच्छ भारत अभियान दय्या में कब तक नारों में रहेगा, यह देखना बाकी है अब।

ज्योतिष की बातें 302

15 अक्टूबर 2026 को शुक्र तुला राशि में पश्चिम दिशा में अस्त हो जाएगा। अतः शुक्र से मिलने वाले शुभफल अब प्राप्त नहीं होंगे। इसके साथ ही गृह प्रवेश आदि शुभकार्य अभी स्थगित रहेंगे।

17 अक्टूबर 2025 को सूर्य अपनी नीचराशि तुला में प्रवेश करेगा। वहाँ पर कुछ दिन बुध और शुक्र से युति होगी तथा मंगल की दृष्टि भी कुछ दिन के लिए रहेगी। कुल मिलाकर सूर्य अत्यन्त निर्बल रहेगा। फिर भी सूर्य अगले एक माह स्वास्थ्य, सम्मान आदि अपने कारक विषयों में सिंह, वृषभ, मकर व धनु राशि जातों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा। अन्य जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

शुभ भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा

ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार 184**आरक्षण का लाभ कितना**

इस समय सन् 2026 में देश की कुल आबादी लगभग 145 करोड़ है। जिसमें सरकारी नौकरियों की संख्या मात्र 2 करोड़ है जोकि धीरे-धीरे और भी कम होती जा रही है। इस समय जाति वर्ग के अनुसार एससी के लोगों की संख्या पूरे देश में लगभग 24 करोड़ है, एसटी वर्ग के लोगों की संख्या लगभग 12 करोड़ और ओबीसी के लोगों की संख्या लगभग 75 करोड़ है।

यदि सरकारी नौकरियों में 100 प्रतिशत आरक्षण एससी को दे दिया जाए तो केवल दो करोड़ लोगों को ही नौकरी मिल पाएगी, शेष 22 करोड़ बिना नौकरी के ही रह जाएंगे। एसटी वर्ग का यदि सभी नौकरियों में आरक्षण कर दिया जाए तो दो करोड़ लोगों के नौकरियाँ पाने के बाद एसटी के 10 करोड़ लोग फिर भी खाली रह जाएंगे। इसी प्रकार ओबीसी के लोगों को ही यदि सभी सरकारी नौकरी दे दी जाए तो 73 करोड़ लोग ओबीसी के फिर भी बचेंगे। इस प्रकार पूरा का पूरा आरक्षण करने के बाद भी किसी भी एक वर्ग का पूरा भला नहीं हो सकता। किसी एक वर्ग में कुछ लोगों को ही आरक्षण के आधार पर नौकरी मिल पाती है शेष लोगों की स्थिति यथावत् बनी रहती है। क्रोमी लेयर लागू न होने के कारण जो नौकरी पाकर सम्पन्न हो चुके हैं उन्हें के बच्चों को आगे भी नौकरी मिलती रहती है। उस जाति के अन्य गरीब लोगों को लाभ नहीं मिल पाता। इस प्रकार आरक्षण से किसी जाति विशेष का कोई भला नहीं होता केवल कुछ लोगों का भला हो जाता है, बस। इसलिए मेरे विचार से किसी भी प्रकार का आरक्षण पूर्णतः समाप्त करके योग्यता को महत्व देना चाहिए।

-ओंकार नाथ कोष्टा

कैंची मन्दिर के नाम पर लगने वाली भीड़ से सबकुछ बेहाल हो चुका है अन्यत्र स्थापित करने की मांग भी उठने लगी

हल्द्वानी। भवली-अल्मोड़ा हाईवे पर स्थित कैंची मन्दिर के दर्शन के नाम पर लगने वाली भीड़ से सबकुछ बेहाल हो चुका है। धार्मिक आस्था के नाम पर जिस प्रकार का देखने को मिल रहा है वह परेशानी का कारण बनता जा रहा है। श्रद्धालुओं से ज्यादा रील बनाने वालों की भीड़ का सड़क पर चल रहा तमाशा स्थानीय जनता को परेशान करने वाला है। कहने को तो पुलिस व्यवस्था भी है लेकिन यहाँ स्थापित हो चुके बड़े व्यापारियों के आगे शायद किसी की नहीं चलती होगी। यही कारण है कि प्रसाद, कम्बल, जूते-चप्पल से लेकर चाय-पकौड़ी तक सबकुछ अजब-गजब देखने को मिल रहा है। सड़क जाम से स्थानीय जनता परेशान है। स्कूली बच्चों को इस भीड़ में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार पहाड़ से रेफर होकर आने वाले मरीजों के लिये यहाँ से गुजरना खतरा हो जाता है क्योंकि भीड़ में घंटों तक ऐंबुलेंस का फंस जाना खतरनाक है। कैंची मन्दिर को लेकर जिस प्रकार का प्रचार हो चुका है, बाहर से बड़ी संख्या में वाहनों के साथ लोगों का आना जारी है। इधर एक ओर बहस के साथ क्षेत्रवासी कहने लगे हैं कि कैंची

- सड़क जाम से स्थानीय जनता परेशान है
- स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना
- कई बार ऐंबुलेंस फंसने से खतरा
- रील बनाने वालों की भीड़ का तमाशा

मन्दिर को अन्यत्र स्थापित किया जाए। ये बाबा नीम करौली का आश्रम था, ये कोई धाम नहीं। वर्तमान के हालातों से दिखाई दे रहा है कि धर्म के नाम पर धन्धा करने वालों ने पूरी व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है।

पिछले दो साल के भीतर कैंची क्षेत्र में नवनिर्माण के नाम पर बहुत नया जैसा होता जा रहा है जो पहाड़-नदी के हिसाब से कतई भी वैज्ञानिक नहीं दिखाई देता है। अनियंत्रित भीड़ को काबू करने के लिये पुलिस और प्रशासन मंथन करता रहता है और नेता बयानबाजी और नई तरदीब निकालने पर लगे हुए हैं। इस गम्भीर मसले को सुलझाना चाहिए।

जसपुर-टनकपुर के बीच चलेंगी प.नि.बसें

हल्द्वानी। मण्डलायुक्त दीपक रावत की अध्यक्षता में सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण सम्भाग की बैठक में यातायात को सुगम बनाने तथा विभिन्न मार्गों पर परिवहन सुविधाओं को विस्तार पर निर्णय लिया गया। इसी बैठक में निर्णय लिया गया कि जसपुर-टनकपुर के बीच परिवहन निगम की बसें चलेंगी। जसपुर-फाटो रेंज में दस जिप्सियों के संचालन की अनुमति भी दी गई।

फर्जी हस्ताक्षर

मामले में दोषमुक्त

नैनीताल। जिला पंचायत अध्यक्ष के जाली शासकीय लेटरहेड और कथित फर्जी हस्ताक्षरों से व्हट्सएप ग्रुप में पत्र प्रसारित करने के मामले में अदालत ने प्रमोद सिंह तोलिया को दोषमुक्त कर दिया है। मामला वर्ष 2021 में जिला नियोजन समिति के चुनाव के दौरान का है। सुनवाई के दौरान 5 अभियोजन साक्षियों के बयान हुए।

बगवाल मेले की तैयारी

द्वाराहाट। बगवालीपोखर मेला समिति की ओर से बगवाल मेले की तैयारियां हुई हैं। रामलीला मैदान में समिति के अध्यक्ष सुबेदार मेजर हरीश सिंह भण्डारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में परम्परागत तरीके से मेले को मनाने पर चर्चा हुई। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों व अन्य इन्तजामों के लिये सुझाव दिये गये।



परिक्रमा

फर्चैजक

गणेश पाण्डेय

अचानक सब लोग परीशान छन, औनलाइन ठग भौत है गई भौत हुयार नात तुल अफसर, उनाए जाव में फसण फे गई उनाए जाव में फसण फे गई, एक ओटीपी कर दीं वार पर खलास है जानी बचत खात, झिटि घडि में है जानी लाचार जो लोभि सबनहै जादे हुनी, उई सब फसि जानी जाव पन कतु बखत समझा फिर लै, अचानक सब लोग परेशान छन।

काली नदी किनारे सुरक्षा दीवार बनाने की डीएम के सामने उठी मांग

पिथौरागढ़। जौलजीवी क्षेत्र की सामाजिक कार्यकर्ता शकुन्तला दत्तल ने काली नदी के किनारे सुरक्षा दीवार बनाये जाने और दीवार के साथ मेला स्थल तक छोटे वाहनों के लिये रोड बनाए जाने की मांग जिला अधिकारी के सामने रखी। उन्होंने कहा कि 2022 में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इसके लिए घोषणा की थी लेकिन अब तक वह घोषणा पूरी नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उन्होंने जौलजीवी में चल रहे अस्पताल की भूमि को स्वास्थ्य विभाग के अधीन किये जाने का मसला उठाया

था। शासन ने इसके लिये स्वीकृति दे दी है। अस्पताल अभी तक समाज कल्याण की भूमि पर संचालित हो रहा था। इससे भविष्य में अस्पताल में नए कार्य और भवन निर्माण आदि आसानी हो सकेंगे। बताते चलें कि साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान श्रीमती शकुन्तला डीएम से मिलने गई थीं। जनसुनवाई में डीएम आशीष भट्टगई ने विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी बारी से सुना और सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये। इस दौरान भमका जलाशय टैंक के

लीकेंज की शिकायत मिलने पर जांच कमेटी गठित करने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में सड़क, आर्थिक सहायता, जलापूर्ति सहित विभिन्न विभागों से सम्बन्धित कुल 36 प्रकरण प्राप्त हुए। डीएम ने सभी शिकायतों का गम्भीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं हो।

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में

देहरादून। प्रदेश का पहला ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में खुलेगा। कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने मेडिकल कॉलेज की स्थापना को मंजूरी दे दी है। प्रत्येक बैच में 50 एमबीबीएस छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। ईएसआईसी ने इस कॉलेज को मंजूरी दिल्ली स्थित ईएसआईसी मुख्यालय में आयोजित 198 वीं बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पवर दी है।

भार क्षमता अनुसार मसूरी में विकास हो

नैनीताल। हाईकोर्ट ने मसूरी में तेजी से बढ़ती आबादी, पर्यटकों के भारी दबाव और अनियंत्रित बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए भार वहन क्षमता के अनुसार विकास रणनीति तैयार करने और ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

हल्द्वानी में चिड़िया-घर के लिए डीपीआर

देहरादून। हल्द्वानी में प्रस्तावित चिड़ियाघर की डीपीआर तैयार हो गई है। विभाग ने ब्रिडकुल को इसके लिये कुछ सुझाव भी दिये हैं। इसमें वन्यजीवों के इलाज की सुविधा के साथ ही सफारी की योजना बनाई है। पहले चरण के कार्य में करीब 200 करोड़ की लागत आएगी। सन् 2016 में इस चिड़ियाघर योजना का शिलान्यास किया गया था, अब जाकर इसको डीपीआर तैयार हुई है।

छोई की सड़क संवरेगी तो बड़ेगी आवत

रामनगर/नैनीताल। लम्बे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे छोई क्षेत्र के लिये खुशखबरी है कि करीब सात किमी सड़क के निर्माण के लिये टेण्डर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। तीन करोड़ से यह सड़क संवरेगी और हनुमान धाम सहित काबेट घूमने आने वालों की

आवत बड़ेगी। छोई क्षेत्र में पचास से अधिक रिजॉर्ट हैं। सड़क खराब होने से इनका कारोबार प्रभावित हो रहा था। इस पर क्षेत्रवासियों और होटल एसोसिएशन लम्बे समय से मार्ग निर्माण की मांग कर रहे थे। बताया जा रहा है कि लॉनिव को

सड़क निर्माण के लिए लगभग तीन करोड़ रुपये का बजट मिला है। टेण्डर प्रक्रिया पूरी कर सम्बन्धित ठेकेदार को सड़क निर्माण के निर्देश दिए गए हैं। सड़क बनने पर पर्यटन गतिविधियों में तेजी आएगी। हाई करोड़ से नैनीताल-कालाहूँगी मार्ग जीर्णोद्धार भी होना है।

ऑल इण्डिया एसोसिएशन ऑफ नॉन-गजेटेड आफिसर्स ऑफ ऑर्डनेंस एण्ड इक्विपमेंट फैक्ट्री एण्ड क्वालिटी आर्गेनाइजेशन

केन्द्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर देश की सभी ऑर्डनेंस फैक्ट्रियों में कॉर्पोरेशन दिवस समारोह का पूर्ण बहिष्कार किया

देहरादून। ऑल इण्डिया एसोसिएशन ऑफ नॉन-गजेटेड आफिसर्स ऑफ ऑर्डनेंस एण्ड इक्विपमेंट फैक्ट्री एण्ड क्वालिटी आर्गेनाइजेशन की केन्द्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर देश की सभी ऑर्डनेंस फैक्ट्रियों में कॉर्पोरेशन दिवस समारोह का पूर्ण बहिष्कार किया गया।

बताया गया है कि यह बहिष्कार सभी यूनिटों और एसोसिएशनों द्वारा सम्युक्त रूप से किया जा रहा है।

बताते चलें कि 1801 में ईस्ट इण्डिया

कम्पनी ने आयुध निर्माणी की शुरुआत कोलकाता में थी। आजादी से पहले देश में लगभग 18 आयुध दिन निर्माणी बन चुकी थीं और आजादी के बाद 24 ऑर्डनेंस फैक्ट्रियां और बनी जिनके माडिफिकेशन के लिए जफा कमेटी, नायर कमेटी, वेदव्यासन कमेटी केलकर कमेटी, टी सी टाटा कन्सल्टेशन कमेटी ने मोडिफिकेशन की बात कही मगर वर्तमान सरकार ने 2021 अक्टूबर में बिना किसी कमेटी की सिफारिश के

बावजूद निर्माणीयों को 7 भागों में बांट दिया।

41 फैक्ट्रियों का मुख्यालय कोलकाता में होता था, अब वह नाम मात्र का रह गया। मुख्य वजह आयुध निर्माणियों लगभग 70000 एकड़ जमीन है। आए दिन निर्माणों के कर्मचारियों की संख्या लगातार कम हो रही है, यह भी बेरोजगारी का कारण है, आज कर्मचारियों की संख्या लगभग 70000 है जो कभी 2 लाख तक हुआ करती थी और 2004 में जब नई

पेंशन नीति लागू करी तो उसके बाद की भर्तियां भी हैं।

इनके बहिष्कार के मुख्य कारण है- 1. संगठन निर्णय के साथ एकजुटता-यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ ऑर्डनेंस फैक्ट्री एम्प्लाइज के निर्णय के समर्थन में। 2. सेवा हितों की रक्षा के लिए- निगमीकरण के बाद कर्मचारियों के सेवा हितों पर हो रहे कुठाराघात के विरोध में। 3. मजबूत एकता के लिए- सभी संगठनों की एकजुटता को और मजबूत करने के लिए।

4. हम सब एक हैं। एनजीओ का स्पष्ट नारा है- ना कोई भागदारी, ना जबरन।

इस प्रकार संगठन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के कॉर्पोरेशन दिवस समारोह में भाग न लें और इस एकता को मजबूत बनाएं। इसी क्रम में प्रदेश में भी यह आन्दोलन जारी रहा और अभियान में कर्मचारी नेता जुटे हैं।

सीजीएचएस की बदहाल व्यवस्था से सेवानिवृत्त कर्मचारी परेशान

गिरिशा उप्रेती

देहरादून। उत्तराखण्ड में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की सीमित चिकित्सा सुविधाओं को लेकर सेवानिवृत्त केन्द्रीय कर्मचारियों और वरिष्ठ नागरिकों में भारी नाराजगी बनी हुई है। आरोप है कि राज्य के दूरस्थ पर्वतीय जिलों में पर्याप्त डिस्पेंसरी, डाक्टरों और सूचीबद्ध अस्पतालों की सुविधा न होने के कारण हजारों पेंशनभोगियों को इलाज व दवाओं

के लिए देहरादून का रुख करना पड़ रहा है।

पिथौरागढ़, मुनस्यारी, धारचूला, उत्तरकाशी और चमोली जैसे दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए लम्बी दूरी तय कर राजधानी पहुँचाना आसान नहीं होता। इलाज कराने पहुँचने बुजुर्गों को यात्रा खर्च के साथ-साथ देहरादून में ठहरने का अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का कहना है कि उम्र के इस पड़ाव में जब उन्हें बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाओं की सख्त जरूरत है, तब भी उन्हें डिस्पेंसरी में घण्टों लम्बी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। दवाओं के लिए या डॉक्टर के परामर्श के लिए चक्कर लगाने से बुजुर्ग मरीज मानसिक और शारीरिक रूप से बेहाल हो जाते हैं। इतना ही नहीं, विशेष उपचार के लिए यदि मरीज को कैलाश,

कनिष्क, मैक्स या ग्राफिक एरा जैसे निजी अस्पतालों में रेफर किया जाता है, तो वहाँ भी लम्बी प्रतीक्षा सूची और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। दवाओं के लिए या डॉक्टर के परामर्श के लिए चक्कर लगाने से बुजुर्ग मरीज मानसिक और शारीरिक रूप से बेहाल हो जाते हैं। इतना ही नहीं, विशेष उपचार के लिए यदि मरीज को कैलाश,

कनिष्क, मैक्स या ग्राफिक एरा जैसे निजी अस्पतालों में रेफर किया जाता है, तो उन्हें संघर्ष करने पर मजबूर किया जा रहा है। पेंशनभोगियों ने सरकार से उत्तराखण्ड के प्रमुख पर्वतीय जिलों में नए सीजीएचएस क्लेनेस सेंटर और डिस्पेंसरी खोलने, दूरस्थ क्षेत्रों के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट और टेलीमेडिसिन सेवा शुरू करने तथा बुजुर्गों के लिए अलग प्राथमिकता काउण्टर बनाने की मांग की है।

ये टनकपुर का दुर्भाग्य है कि बार-बार हंगामा होता रहा

टनकपुर/चम्पावत। जिला चम्पावत के मैदानी यानी सुगम की मान्यता रखने वाला राजकीय महाविद्यालय टनकपुर जिस प्रकार से बवालबाजी का अड्डा बना है, वह टनकपुर का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा। यहाँ बार-बार होने वाले हंगामे ने पठन-पाठन का माहौल अशान्त किया है और दूर तक गलत सन्देश भी प्रेषित किया है।

इस बार छात्र संघ चुनाव में जिस प्रकार से पूरे स्टाफ को बन्धक बनाकर रखा गया वह इस कालेज के लिये कोई नई बात नहीं है। पहले भी इस प्रकार के कृत्य यहाँ हो चुके हैं। आश्चर्य होता है कि आखिर इतनी हिम्मत किसमें आ चुकी है कि वह सबको धता बताकर गाली-गलौच सहित मनमर्जी कर जाता है। महाविद्यालय की शुरुआत कांग्रेस के शासन काल में जब हुई, विधायक होमेश खर्कवाल की बेहद सक्रियता इसमें रंग लाई। दानवीर द्वारा दिये गये स्थान पर महाविद्यालय आरम्भ हो गया और प्राचार्य के रूप में बहुत ही योग्य डॉ. डी.एन. जोशी ने इसे खूब संवारा। डॉ. जोशी में निर्णय लेने की खूब क्षमता थी और किसी भी प्रकार के विवाद को वह आने से पहले टाल देते थे। 2004 से यह सिलसिला चला और उसके बाद डॉ. करुणा खन्नु ने कालेज को भरपूर आगे बढ़ाया। छात्र नेताओं सहित अन्य दिक्कत

उन्हें झेलनी पड़ी लेकिन वह हर प्रकार से कालेज को आगे ले गई। इसके बाद डॉ. जी.प्रकाश ने महाविद्यालय को गति दी। बहुत ही सरल-सहज महिला प्राचार्य को कई प्रकार से दिक्कत का सामना करना पड़ा। तभी रूसा मद से कालेज में कार्य भी हुए। कैसा कार्य हुआ क्या हुआ इत्यादि पर खूब चर्चा होती रही है और बाद में उच्चशिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह ने वाणिज्य भवन का शिलान्यास किया। रूसा के मामले को लेकर आज भी सवाल खड़े होते हैं। बेहद सरल प्राचार्य जी. प्रकाश का कोरोना काल में असमय निधन हो गया। उनके समय में कालेज में कई कार्य हुए थे, वह स्थितियाँ समझ चुकी थीं और तदनुसार उन्होंने बड़बोलों को मौन रहकर उत्तर दिया था। उन्हीं दिनों छात्र संघ चुनाव के दौरान पूरी रात स्टाफ को बन्धक बनाने की घटना भी हुई। रातभर बन्धक स्टाफ के सामने भरपूर गालियों की बौछार और असहाय पुलिस दिखाई दी थी। छात्र गुटों का आपस में टकराव और शिक्षक-कर्मचारियों को परेशानी झेलनी पड़ी थी। इस पूरे काल में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सर्वजीत यादव भी प्रभारी प्राचार्य की भूमिका में रहे हैं और उन्होंने कालेज को हद से ज्यादा संवारा। डॉ.सर्वजीत में कभी भी अपने-पराये जैसा भेद नहीं रहा है। उन्होंने हर मुश्किल स्थिति में संस्था के लिये भरपूर योगदान

आज से पहले और आज घपले की जड़ को जांचना होगा

दिया। उधम मचा रहे छात्र नेताओं को भी कुशलता से समझाते रहे लेकिन कई बार उन्हें हंगामे में परेशानी का सामना करना पड़ा। छात्र संघ चुनाव की वह

सुरक्षा की मांग और रोष

टनकपुर महाविद्यालय में स्टाफ को बन्धक बनाए जाने के विरोध में कतिपय महाविद्यालयों के स्टाफ द्वारा रोष जताते हुए कर्मचारियों की सुरक्षा की बात की गई। शिक्षक व कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से बन्धक बनाए जाने की घटना वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। मामले में छात्र और कालेज प्रशासन के अपने तर्क हैं। भविष्य में ऐसी घटना कहीं भी न हो इसके लिये सबको जागरूक होना चाहिये।

घटना पूरा टनकपुर जानता है जब पूरा स्टाफ बचते हुए बाहर चला गया था, विजेताओं को शपथ के लिये डॉ.सर्वजीत सामने आये और बहुत कुछ उन्हें सुना पड़ा।

इस पूरे समय में कोई न कोई बवाल हमेशा रहा है। भारत-नेपाल सीमा पर टनकपुर बड़ी मण्डी व कौशल क्षेत्र है किन्तु इस कालेज को पता नहीं किसकी नजर लगी? इसकी जड़ में कौन थे जो हमेशा से टनकपुर वासियों से गाली खाते रहे। कैलाश गहतोड़ी जब विधायक चुने गये तो उन्हें भी कालेज आने का अवसर मिला। स्व. गहतोड़ी इक्का-दुक्का बार ही आए क्योंकि वह भी अपनी नाराजी जाहिर कर चुके थे। डॉ.गुड्डा प्रकाश के निधन के बाद कालेज का चार्ज बनवसा कालेज की प्राचार्य डॉ.आभा शर्मा को दिया गया, वह अपनी जिम्मेदारी निभाती रहीं। इसके बाद डॉ. नगेन्द्र द्विवेदी प्राचार्य के रूप में टनकपुर आए और उन्होंने कालेज के बिगड़े हालातों को खूब ठीक किया। अपने भले व्यवहार के कारण डॉ. द्विवेदी ने छात्र-छात्राओं और समाज के बीच पकड़ बना ली थी लेकिन जिस कालेज को ही नजर लग चुकी हो उसे सुधारना बहुत कठिन होता है। डॉ. द्विवेदी के खौफ से बड़बोले शान्त हो गये थे लेकिन 'नजर की कोठरी' में वे सुरक्षित नहीं थे और

उनका स्थानान्तरण हो गया। इस पूरे चक्र में डॉ.अनुपमा तिवारी प्राचार्य के रूप में आई और अपनी कुशलता का परिचय दिया। लेकिन जिस प्रकार की परेशानी का उन्हें सामना करना पड़ा है वह 'कालेज की नजर' ही है। छात्र नेताओं का हंगामा अनवरत जारी है और वर्तमान के छात्र संघ चुनाव में जिस प्रकार से पूरे स्टाफ को परेशान होना पड़ा वह शर्मनाक है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी के विधान सभा क्षेत्र में टनकपुर कालेज होने का मतलब है, सबकुछ अपटूट रहे लेकिन 'कालेज की नजर'.....। सीएम कार्यालय द्वारा भी बार-बार संज्ञान लेकर कालेज में सुधार के लिये कहा जाता रहा है परन्तु ढाक के तीन पाता। हालात यह हो चुके हैं कि किसी भी तरह से टनकपुर में शिक्षा का यह मन्दिर सुधार का कठिन हो चुका है। इसके सुधार के लिये जरूरी है बाहर से छात्र नेताओं का हस्तक्षेप बन्द हो। हाँ, यदि किसी प्रकार की जाँच टनकपुरवासी चाहते हैं तो उसे करवाया जाए। यह भी जाँच लिया जाए कि उत्तराखण्ड जैसे शान्तप्रिय प्रदेश में आसन नौकरी करने वाले इस टनकपुर में कितनी ईमानदारी से कार्य करते रहे हैं। छात्र छात्राओं की इतनी नाराजगी आखिर क्यों रही है? 'कालेज की नजर' पर हमेशा से बहस रही है इसकी सच्चाई जरूर उजागर होगी।

पहाड़ के आंगन टनकपुर में एक दशक में बेहिसाब मंजिले मकान बनाने की होड़

चम्पावत। पहाड़ का आंगन की मान्यता रखने वाले टनकपुर में जमीन घेर मकान बनाने की होड़ जारी है। माल भाबर के इस स्थान में पिछले एक दशक में बेहिसाब मंजिले मकान बनाने वालों में बाहरी ज्यादा हैं। एकाएक आई इस बाढ़

में पुराने मोहल्ले तो वैसे ही हैं लेकिन नए तैयार हो गये। नई कालोनियाँ बनीं जिसमें आवास बनाने की जिद और लोभ का तालमेल दिखाई देता है।

बताया जाता है कि इस भाबर क्षेत्र में इधर-उधर से आकर बसने वालों की

मिश्रित संस्कृति से टनकपुर का पुराना रिवाज सिमट चुका है। इस दिशा में संस्कृतकर्मि चिन्तित भी हैं, जो इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाते रहते हैं। कहने को तो नौकरी-पेशा वाले यहाँ खाली हाथ आए थे लेकिन अकूत सम्पत्ति जोड़ने लगे। इतना तक तो ठीक है लेकिन यह समझ से परे है कि जिस स्थान पर रहने लगे हैं, जहाँ की रोटी खाते हैं उसे ही कोसने लगे। क्षेत्रवासियों का सीधापन रहा है कि उन्होंने हमेशा सहयोगी भावना रखते हुए सम्मान किया।

बताते चलें कि टनकपुर शहर अंग्रेजों का भी प्रिय रहा है, यह हल्द्वानी से भी पुराना शहर है। पिथौरागढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों के यात्रियों के लिये यह प्रमुख स्टेशन और मार्ग है। रुहेलखण्ड क्षेत्र की बड़ी भीड़ इसमें आती रही है। माँ पूर्णागिरी का दरबार होने के कारण आस्था का केन्द्र भी है। इतना सब होने पर भी क्षेत्र में अपसंस्कृति फैलाने वाले हावी हो जाएं यह शुभ संकेत नहीं है। इसके लिये जागरूकता जरूरी है।

मिलम से कैलास मानसरोवर हैली सेवा प्रारम्भ करने की मांग मल्ला जोहार विकास समिति का पीएम को पत्र

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन भेजते हुए सीमान्त क्षेत्र भारत-तिब्बत-चीन सीमा के नजदीक एशिया का सबसे बड़ा ग्राम/स्वतंत्रता सेनानियों/प्रथम गाँव/अन्तिम गाँव मिलम से कैलास मानसरोवर, कैलास नदी हैली सेवा प्रारम्भ करने की मांग की है।

समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्त महासचिव लोकबहादुर सिंह जंगपांगी ने पत्र भेजते हुए कहा है देश की सीमा रेखा पर 14 राजस्व गाँव मुनस्यारी तहसील से 67 किमी दूरी पर पवित्र गोरी गंगा नदी के किनारे शदियों से विस्थापित हैं। इनकी भौगोलिक स्थिति के बारे में सभी जानते हैं। भारत-चीन युद्ध के बाद इनका परम्परागत व्यापार बन्द हो गया था। वर्तमान परिस्थितियों में सीमान्त के लोग जैसे-तैसे इस दुर्गम में अपनी मातृभूमि की रक्षा हेतु जुटे हैं। आज 21 वीं शदी के आजाद देश में इस सीमान्त को कई परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। समिति

ने प्रधानमंत्री को याद दिलाते हुए लिखा है कि आपके नेतृत्व में चहुँओर कार्य हो रहे हैं लेकिन सीमान्त के इस क्षेत्र में जिस प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वह प्रश्नचिह्न है। उच्च हिमालय क्षेत्र में जिन कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है, उसके लिये कदम उठाना चाहिये। ऐसा प्रतीत होता है कि इस दूरस्थ क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। जबकि जोहार घाटी मिलम के रास्ते राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अस्थियाँ भी कैलास मानसरोवर में विसर्जित करने हेतु स्वतंत्रता सेनानी भगवत नन्द, कैलाश नन्द व अनेक कार्यकर्ता का समूह भारत सरकार नई दिल्ली से आये हुए प्रतिनिधियों के साथ मिलम से दुंग, टोपी दुंगा, किंगरी-किंगरी, जैयन्ती, ऊटाधुरा कठिन पर्वतों की पैदल यात्रा कर ज्ञानिमा मण्डी गये थे और पवित्र मानसरोवर में अस्थियाँ विसर्जित की थीं। इस दूरस्थ क्षेत्र में हैली सेवा सहित सुविधाओं हेतु कदम उठाए जाएं।

सुरेश मेडिकल स्टोर

नियर- टैक्सी स्टैंड
मदकोट रोड
मुनस्यारी

मो.- 8077929044, 9756822576

HIMALAYAN

MUNSYARI STORE

Johar Nagar, Bhotia Padav,
Haldwani

(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)

मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

मिलम बेक हाउस (नियर- टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुनस्यारी

सम्पर्क- 8941807388



पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर। हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक। आपके लिये लेकर आया है ताजे स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।

क्या छात्र संघ चुनाव के परिणामों का असर टिकट पर होगा?

ताकत दिखाने के बाद भी फेल हुए विधायक

इस बार के छात्र संघ चुनाव और फिर महासंघ चुनाव के परिणामों में जिस प्रकार से युवाओं ने जोश दिखाया है वह आगामी विधानसभा चुनाव के लिये बहुत कुछ गढ़ने वाली बात है। छात्रों के चुनाव में क्षेत्रीय विधायक सहित बड़े नेता कूद पड़े थे और कहा गया था कि इन सबकी भी अग्निपरीक्षा होनी है। अब सवाल यह भी है कि क्या छात्र संघ चुनाव के परिणामों का असर पार्टी टिकट पर होगा? अपनी विधानसभा के युवा नेताओं को किसी भी दिशा में जिताने के लिये ताकत लगा चुके नेताओं ने देख लिया कि युवा मतदाता किस प्रकार का माहौल चाहता है।

छात्र संघ चुनाव के बाद कुमाऊं विश्वविद्यालय के महासंघ चुनाव में यतिन पाण्डे निर्दलीय अध्यक्ष बने तो अभावप ने उन्हें जबरन अपना पटका पहनाने का काम शुरू कर दिया। इस पर बहुत हंगामे के अलावा छात्र गुट भिड़ते रहे। इससे यह भी स्पष्ट हो रहा है कि अपना दिखाने और बताने के लिये अभी तक झगड़े जारी हैं।

बात करें धारचूला विधायक हरीश धामी की करें तो बालकों के चुनाव के बहाने उनकी ताकत दिखाई दी है। मुनस्यारी डिग्री कालेज में एनएसयूआई पैनल की

ज्यादातर निर्दलीय और बागी रहे विजेता

जीत पर श्रीमती धामी ने जाकर युवा नेताओं का उत्साह बढ़ाया। पिथौरागढ़ कालेज में जीतने के बाद नेताओं ने विधायक का स्वागत समारोह किया।

हल्द्वानी की बात करें तो कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश एनएसयूआई टीम के साथ हरदम जुटे रहे। भले ही उनका प्रत्याशी हार गया हो लेकिन विधायक ने

धारचूला के विधायक धामी ने दिखाई ताकत

हल्द्वानी विधायक सुमित जुटे रहे टीम

खटीमा विधायक कापड़ी जूझते रहे

बागेश्वर में फर्स्वान रहे छात्रों के साथ

रानीखेत क्षेत्र में नहीं चली नैनवाल की

कोई कमी नहीं होने दी। पार्टी टिकट की चाह रखने वाले अन्य भी प्रचार में जुटे। जिनकी बातचीत में साफ झलकता है कि वह टिकट न मिलने पर गुस्सा होंगे। मेयर गजराज बिष्ट एबीवीपी टीम के

अपना बताने और दिखाने के लिये झगड़े

साथ खुलकर थे जबकि कई दिग्गज बागी प्रत्याशी की ओर। बागेश्वर में छात्र संघ चुनाव में कपकोट के पूर्व विधायक ललित फर्स्वान पूरी तरह छात्रों के साथ समर्थन में दिखाई दिये। कपकोट में चुनाव पूरी तरह भाजपा-कांग्रेस बनकर दिखाई दिया।

रानीखेत उपमण्डल में विधायक नैनवाल अपनी टीम के साथ सहयोगी थे लेकिन उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिला। द्वाराहाट में यूकेडी, आन्दोलनकारी एकतरफा ताकत दिखा गये। इसी प्रकार चौखुटिया में भी हुआ। जगह-जगह हुए फसादों को लेकर चर्चाएं थम नहीं रही हैं और कहा जा रहा है कि किस बड़े नेता ने युवाओं के लिये कितना किया और अपने क्षेत्र में कितनी सफलता पाई यह सब जोड़कर ही टिकट मिलना है। यदि ऐसा है तो बहुत कुछ उलट-पुलट है। विधानसभा चुनाव तक स्थितियां बहुत बदली होंगी लेकिन मारपीट और किसी प्रकार से चपले में घसीटे गये युवा अपनी पीड़ा को जरूर याद रखेंगे।

छात्रों के चुनाव एक प्रकार से सेमीफाइनल मुकाबले के रूप में देखे जा रहे हैं क्योंकि जितना कुछ इसमें हुआ वह सब लौटकर होगा, इस अनुसार ही अब पार्टियां रणनीति बनाएंगी।

Hotel Bala Paradise Tiksain, Munsiri

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चौकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379

APNA GHAR 6396098804

चौकोड़ी

YOGA MEDITATION

HOTEL RESTRO BANQUET HOMELY

(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

FOOD LIVE MUSIC BIRTHDAY WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल

आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- मो.- 8958525979,

05961-222236

9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

नरेन्द्र सिंह रावत

सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती

फोन/मोबाइल

9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

हल्द्वानी में तुमारे अपण आँखक अस्पताल।

जहाँ आपको मिलता है पलक से पर्दे तक सम्पूर्ण इलाज

अस्पताल में आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ECHS कार्ड और सभी स्वास्थ्य बीमा कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है



शुभानु आँखों का अस्पताल

अधिक जानकारी के लिए इन नंबर पर संपर्क करें

90681 77738, 9997780135

कोहली टावर, ठंडी सड़क, सिविल लाईंस, हल्द्वानी